Quest Journals
Journal of Software Engineering and Simulation
Volume 7 ~ Issue 2 (2021) pp: 07-10
ISSN(Online) :2321-3795 ISSN (Print):2321-3809
www.questjournals.org

Research Paper

कोविड–19 : लॉकडाउन में असंगठित क्षेत्र के फुटकर व सीमांत विक्रेताओं की स्थिति का एक समाज ाास्त्रीय वि लेशण

छत्तीसगढ़ राज्य के (रायपुर, भिलाई व रायगढ़ नगर) के फुटकर व सीमांत विक्रेताओं के वि ोश संदर्भ में

Akhil Yadu[1], Chetanand Jangde[2], Veena Kujur[3]
[1]*Research Scholar, Department of Sociology, Govt. J. Yoganandam Chhattisgarh College, Raipur (C.G.)*
[2]*Research Scholar, SOS. Sociology & Social Work , Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)*
[3]*Research Scholar, Department of Sociology, Govt. J. Yoganandam Chhattisgarh College, Raipur (C.G.)*

सारां ा
कोविड–19 एक नया वायरस (विशाणु) हैं, जो व्यक्ति में जुकाम से लेकर अधिक गंभीर भवसन संबंधी बीमारी उत्पन्न कर सकता हैं। सर्वप्रथम इस वायरस की पहचान वि व में दिसम्बर 2019 में वुहान, चीन में सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम कोरोना–2 (सार्स–कोव 2) से पहचाना गया। 9 जनवरी 2020 को इसे नोवेल–कोरोना वायरस – 2019 (2019- nCov) तथा 11 फरवरी 2020 को इसे कोविड–19 नामकरण डब्ल्यू. एच.ओ. द्वारा दिया गया। 11 मार्च 2020 को इसे महमारी घोशित किया गया।[1] जिसके निवारण हेतु भारत सरकार ने 5 चरणों में लॉकडाउन की घोशणा की तथा 1 जुलाई से राज्य सरकार को, लॉकडाउन का निर्णय संबंधित अधिकार दे दिया। जिसके तहत छत्तीसगढ़ राज्य सरकार ने कोरोना पॉजिटिव के आंकड़ों के आधार पर प्रत्येक जिलों में अलग–अलग तारिखों तक लॉकडाउन करने की घोशणा की। लॉकडाउन से असंगठित क्षेत्र के फुटकर व सीमांत विक्रेताओं की स्थिति पर क्या प्रभाव पड़ा हैं, इसका अध्ययन करने हेतु अक्टूबर माह से दिसम्बर माह 2020 के मध्य फुटकर व सीमांत विक्रेताओं से अनौपचारिक साक्षात्कार के माध्यम से प्राथमिक तथ्यों को एकत्रित किया गया हैं।

कुंजी भाब्द *: कोविड–19, लॉकडाउन, असंगठित क्षेत्र, फुटकर व सीमांत विक्रेता.*

Received 10 Mar, 2021; Revised: 23 Mar, 2021; Accepted 25 Mar, 2021 © The author(s) 2021. Published with open access at www.questjournals.org

प्रस्तावना

कोविड–19 : भारतीय परिप्रेक्ष्य में

11 मार्च 2020 को भारत में कोविड–19 संक्रमण के बढ़ते मामले को देखते हुए केन्द्र सरकार ने महामारी अधिनियम 1897 को लागू किया। इस अधिनियम के अंतर्गत किसी महामारी को रोकने के लिए कानूनी प्रावधान पारित किए जा सकते हैं। भारत में 30 जनवरी को कोरोना वायरस का पहला मामला **केरल** में दर्ज किया गया, तथा कोरोना के संक्रमण से पहली मृत्यु **कर्नाटक** राज्य में दर्ज की गई।[2]

भारत में कोविड –19 से लॉकडाउन [3]

भारत में कोविड–19 को रोकने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 24 मार्च 2020 को 21 दिनों के लिए सम्पूर्ण दे ा को लॉकडाउन रहने का आदे ा दिया। इस निर्णय से पहले 22 मार्च 2020 को 14 घंटों का जनता कर्फ्यू किया गया। 14 अप्रैल सुबह 10 बजे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दे ा को संबोधित करते हुए लॉकडाउन की अवधि को आगे बढ़ाकर 3 मई करने का फैसला लिया तथा कहा कि अगले एक सप्ताह नियम को सख्त किया जायेगा, तथा जहां नये मामले नही आएंगे वहॉ कुछ छूट दी जाएगी। भारत में लाकडाउन कुल 5 चरणो में की गई –

- **प्रथम चरण** : 25 मार्च – 14 अप्रैल 2020 (21दिन)
- **द्वितीय चरण** : 15 अप्रैल – 3 मई 2020 (19दिन)
- **तृतीय चरण** : 4 मई – 17 मई 2020 (14 दिन)
- **चतुर्थ चरण** : 18 मई – 17 मई 2020 (14 दिन)
- **पंचम् चरण** : 1 जून – 30 जून 2020 (30 दिन)

असंगठित क्षेत्र

संचालनालय, नगर तथा ग्राम निवे ा, रायपुर (छ.ग.)[4] के अनुसार रोजगार की तला ा में अथवा आर्थिक उन्नति के लिए आ ाान्वित बेरोजगार या सीमित रूप से रोजगार से जुड़े कर्मी असंगठित क्षेत्र का निर्माण करते हैं। यह वर्ग बहुत कम अधोसंरचना सेवा एवं नगरीय स्थल की अपेक्षा रखता हैं। परन्तु नगर की आर्थिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता हैं।

फुटकर विक्रेता

फुटकर विक्रेता वह व्यावसायिक इकाई होती हैं, जो वस्तुओं एवं सेवाओं को सीधे अंतिम उपभोक्ताओं को बेचते हैं। यह थोक विक्रेताओं से बड़ी मात्रा में माल को कय कर उन्हे अंतिम उपभोक्ताओं को थोड़ी–थोड़ी मात्रा में बेचते हैं। ये वस्तुओं के वितरण श्रृंखला की अंतिम कड़ी होती हैं।[5]

उद्दे य

लॉकडाउन में असंगठित क्षेत्र में कार्यरत वि ोशकर फुटकर एवं सीमांत विक्रेताओं को अधिक प्रभावित किया[6] इस अध्ययन का उद्दे य कोविड–19 के लॉकडाउन के प चात् रायपुर नगर, भिलाई नगर एवं रायगढ़ नगर के फुटकर व सीमांत विक्रेताओं की स्थिति व आजीविका की स्थिति को ज्ञात करना हैं।

- फुटकर व सीमांत विक्रेताओं में लॉकडाउन के प्रभाव का आकलन करना
- फुटकर व सीमांत विक्रेताओं में समस्या की प्रवृत्ति को ज्ञात करना

पद्धति ाास्त्र एवं निद न (प्राथमिक आंकड़े, निद न आकार एवं भाोध उपकरण एवं प्रविधि)

अध्ययन हेतु संरचनात्मक साक्षात्कार अनुसूची (उपकरण) तथा अनौपचारिक साक्षात्कार पद्धति का प्रयोग कर प्राथमिक आंकड़े प्राप्त किए गए हैं। अध्ययन क्षेत्र के लिए रायपुर नगर के जोन कमांक 06 के भांठागांव वार्ड कमांक 62 से **40 फुटकर विक्रेता,** भिलाई नगर के वार्ड कमांक 61 प्रगति नगर से **40 फुटकर विक्रेता** तथा रायगढ़ नगर के वार्ड कमांक 16 राजेन्द्र प्रसाद वार्ड से **40 फुटकर विक्रेता** अर्थात् कुल **120 फुटकर विक्रेता** का चयन के उद्देश्य यपूर्ण निद न द्वारा किया गया। चूंकि लॉकडाउन में सब्जी एवं फल, डेयरी उत्पादित वस्तुए (ब्रेड, दूध इत्यादि) व मांस, मछली, एवं अण्डे विक्रय संबंधी सीमांत विक्रेता को ही विक्रय करने हेतु केन्द्र सरकार के दि ाा निर्दे ा दिए गए थे, अतः इस अध्ययन हेतु इन्ही 120 सीमांत व फुटकर विक्रेताओं का चयन किया गया हैं।

कमांक	फुटकर व सीमांत विक्रेता	रायपुर नगर	भिलाई नगर	रायगढ़ नगर	योग
1.	सब्जी एवं फल विक्रेता	30	26	33	89
2.	डेयरी संबंधित विक्रेता	06	09	04	19
3.	मांस, मछली एवं अण्डा विक्रेता	04	05	03	12
कुल योग					**120**

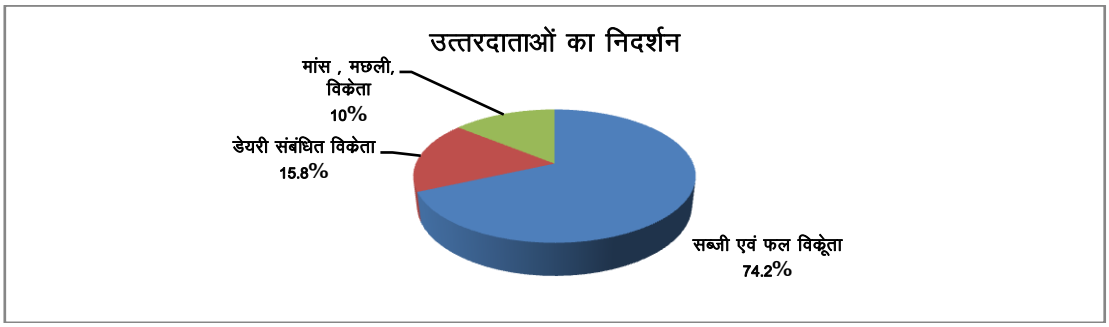

निद न के आंकड़ो से स्पश्ट हैं कि सर्वाधिक 74.2 प्रति ात उत्तरदाता सब्जी एव फल, 15.8 प्रति ात उत्तरदाता डेयरी संबंधित, तथा 10 प्रति ात उत्तरदाता मांस, मछली का विक्रय करते हैं।

अध्ययन से प्राप्त आंकड़ो का तालिकानुसार विवरण

तालिका कमांक . 01 जनसंख्यात्मक वि लेशण

लिंग	आवृत्ति	प्रति ात
पुरूश	**48**	**40**
महिला	**72**	**60**

यह प्राथमिक आंकड़े साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से व्यक्तिगत साक्षात्कार पद्धति के प्रयोग से प्राप्त की गई हैं, जो कि अध्ययन से सम्बन्धित उत्तरदाताओं (सीमांत व फुटकर विक्रेताओं) के जंनसंख्यात्मक वि लेशण संबंधी तथ्य प्रदर्ि ात हैं।

तालिका कमांक 02 लॉकडाउन से भारत में बेरोजगारी व व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा उत्पन्न होने संबंधित तथ्य

क.	व्यवसाय	हां	प्रति ात	नही	प्रति ात
1	सब्जी एवं फल विक्रेता	84	94.38	05	5.61
2	डेयरी संबंधित विक्रेता	17	89.47	02	10.52
3	मांस, मछली एवं अण्डा विक्रेता	12	100	00	00

स्त्रोत् – प्राथमिक आंकड़े) सारणी से स्पश्ट हैं कि **अधिकां ा** उत्तरदाताओं का मत हैं, कि लॉकडाउन से भारत में बेरोजगारी एवं व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा उत्पन्न हुई हैं।

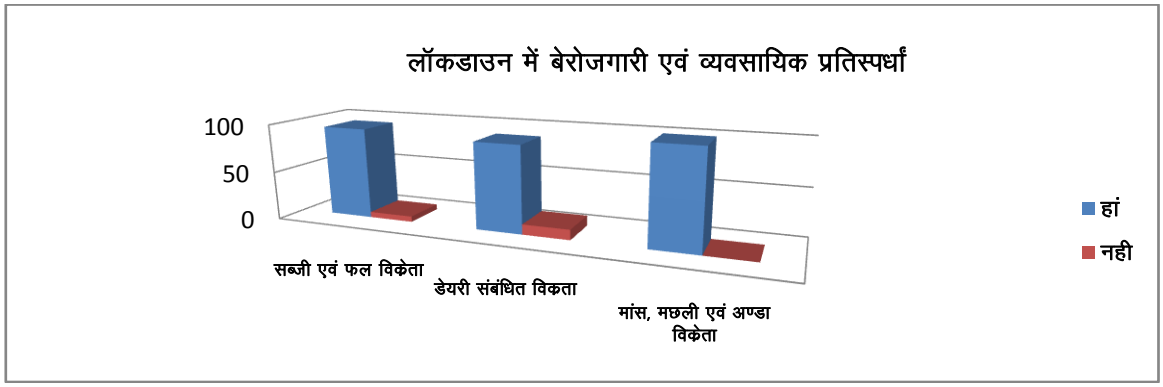

तालिका कमांक 03 लॉकडाउन के पक्ष/विरोधी तथ्य

क.	व्यवसाय	हां	प्रति ात्	नही	प्रति ात्
1	सब्जी एवं फल विक्रेता	04	4.5	85	95.5
2	डेयरी संबंधित विक्रेता	01	5.3	18	94.7
3	मांस, मछली एवं अण्डा विक्रेता	0	00	12	100

(स्त्रोत् – प्राथमिक आंकड़े) सारणी से स्पश्ट हैं कि अधिकां ा उत्तरदाता लॉकडाउन के पक्षधर नही हैं।

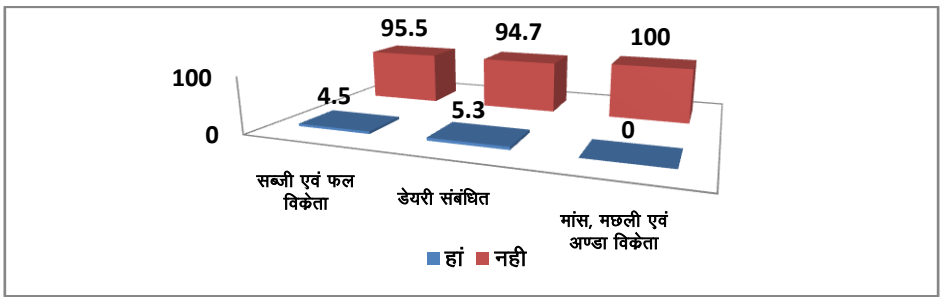

तालिका कमांक 04 लॉकडाउन के समय एवं लॉकडाउन के प चात् फुटकर व सीमांत विक्रेताओं की प्रतिदिन प्राप्त आय की स्थिति का वि लेशण

प्रतिदिन प्राप्त आय	लॉकडाउन के समय	लॉकडाउन के प चात्
100 रूपर्ये तक	**36**	**41**
100 – 200 रूपर्ये तक	**20**	**52**
200 – 300 रूपर्ये तक	**20**	**16**
300 – 400 रूपर्ये तक	**20**	**09**
400 – 500 रूपर्ये तक	**16**	**0**
500 – 600 रूपर्ये तक	**8**	**2**

उपरोक्त सारणी से स्पश्ट हैं कि फुटकर व सीमांत विक्रेताओं का लॉकडाउन प चात् आय में परिवर्तन आया हैं, जिसका प्रभाव सीमांत विक्रेताओं के आर्थिक स्थिति पर पड़ा हैं, तथा उनके प्रतिदिन आय में परिवर्तन आया हैं। सारणी का वि लेशण करने से प्राप्त होता हैं, कि सीमांत विक्रेताओं को लॉकडाउन प चात् व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा अधिक होने के कारण आय में परिवर्तन आया हैं। तथा अध्ययन के दौरान ज्ञात हुआ हैं कि लॉकडाउन प चात् कै ालेस ट्रांजेक ान (पेटीएम, गूगल पे इत्यादि) से लेनदेन में अधिकता देखी गयी हैं, क्योंकि कोविड–19 में उपभोक्ता आपसी संपर्क से बचना चाहते थें। तथा लॉकडाउन में फुटकर विक्रेता द्वारा सामग्री के मूल्य में वृद्धि कर विक्रय करने संबंधित तथ्य भी सामने आए हैं। जो उनके प्रतिदिन के आय स्वरूप में परिवर्तन को प्रद ित करता है।

तालिका कमांक 05 वर्णनात्मक सांख्यिकी

क.	लॉकडाउन के प्रभावित चर	रायपुर नगर	भिलाई नगर	रायगढ़ नगर
1	भाासकीय कर्मचारियों एवं पुलिसों द्वारा भाोशण	**32**	**36**	**29**
2	नियमित व्यवसाय में परिवर्तन व व्यवसाय में प्रतिस्पर्धा	**05**	**03**	**08**
3	लॉकडाउन कियान्वयन में समस्या	**02**	**01**	**03**
4	उपभोक्ताओं से असम्जस्य	**01**	**00**	**00**

अध्ययन से ज्ञात होता हैं कि रायपुर नगर, भिलाई नगर व रायगढ़ नगर के फुटकर व सीमांत विक्रेता, लॉकडाउन के पक्षधर नही हैं, यह स्थिति संरचनात्मक साक्षात्कार अनुसूची, एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार द्वारा प्राप्त आंकड़ों पर आधारित केवल रायपुर नगर के वार्ड कमांक 62 तथा भिलाई नगर के वार्ड कमांक 61 व रायगढ़ नगर के वार्ड कमांक 12 के फुटकर व सीमांत विक्रेताओं के तथ्य हैं। यह स्थिति भारत के महानगर अथवा अन्य बड़े भाहरों में विभिन्न हो सकती हैं।

निश्कर्श

अध्ययन छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर नगर, भिलाई नगर व रायगढ़ नगर के फुटकर व सीमांत विक्रेता पर केंन्द्रित लॉकडाउन के प्रभाव पर आधारित हैं। अध्ययन में प्राप्त तथ्यों सें निश्कर्श निकलता हैं कि सीमांत विक्रेता केवल जीवन यापन एवं पारिवारिक मुल आव यकताओं की पूर्ति हेतु आपना व्यवसाय का संचालन करते हैं। जिनकी आमदनी का अधिकां ा भाग उनके व्यवसाय संचालन में ही व्यय हो जाता हैं। ऐसे में लॉकडाउन के निर्णय ने सीमांत व्यापारियों के व्यवसाय को प्रभावित किया, जिनका असर समाजिक रूप से भी उनके जीवन प्रणालियों पर पड़ रहा हैं, अध्ययन से ज्ञात हुआ हैं कि सीमांत व्यापारी लॉकडाउन के निर्णय का न तो समर्थन करते है, और न ही असमर्थन करते हैं, परन्तु लॉकडाउन के कियान्वयन ने उन्हे नकरात्मक स्वरूप सें स्पश्ट करवाया हैं।

अध्ययन की सीमाएं

1. अध्ययन का क्षेत्र, अनुसंधान की सबसे बड़ी सीमाएं हैं, यह अध्ययन केवल रायपुर नगर के वार्ड 62 एवं भिलाई नगर के वार्ड 61 तथा रायगढ़ नगर के वार्ड कमांक 12 तक ही सीमित हैं, जिससे भारत की समस्त स्थिति को स्पश्ट नही किया जा सकता।
2. अध्ययन के लिए चयनित उत्तरदाता अधिकां ातः उच्च ि ाक्षित नही हैं, जो सीमांत व्यापारियों के रूप में केवल जीवन निर्वाह एवं पारिवारिक दायित्व की पूर्ति करने के लिए व्यवसाय करते हैं।
3. यह अध्ययन केवल फुटकर व सीमांत विक्रेता पर ही आधारित व्यक्तिगत राय एवं सुझाव पर दृश्टिगोचर हैं। अतः लॉकडाउन के प्रभाव को समस्त जनसंख्या पर आधारित नही माना जा सकता।

REFERENCES :

[1]. WHO. Q&A on CoronaViruses (COVID-19). https://www.who.int/news-room/q-a-detail/q-a-coro0naviruses. 11 March, 2020.
[2]. Government of India. COVID-19 INDIA. http://www.mohfw.gov.in. 10 may, 2020
[3]. India Under COVID-19 Lockdown. The Lancet, 2020; 395(10233) : 1315. https://doi.org/10.1016/S0140-6739(20)30938-7.
[4]. **रायपुर विकास योजना पुर्नविलोकित 2021**. छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवे ा अधिनियम 1973 के प्रावधानान्तर्गत प्रकाि ात, संचालनालय, नगर तथा ग्राम निवे ा, छत्तीसगढ़. http://tcp.cg.gov.in/pdf
[5]. Bhowmik, S.K. Street Vendors in Asia. A Review. *Economic and Political Weekly, 2005;* 2256-2264
[6]. SEWA : Impact of Coronavirus on the Informal Economy. 2020; https://www.wiego.org/sites/files/resources/file/SEWA-delhi-covid-19-impact.pdf.